

फर्द अहकाम

गजानन बनाम कैलाश
 25/11 विनियम | 20

आज्ञा विस्तृत रूप से

विशेष विवरण

क आज्ञा
कार्यवाही

6/23

पत्रावली पेशा डक | उच्चपुज्य उच्च
 वेदसु ग्रां पत्रा धारा-10 पर
 सुनी गई। ~~अथ~~ उच्चपुज्य उच्चकोश
 के पुस्तकालय एवं विषयवस्तु
 सिद्ध है। उच्चकोश उच्चकोश का 136
 पुस्तक में खोलने वाले मित्रों पर
 उच्चकोश प्रभाव नहीं है तथा साफ ही
 H.R. एक्ट की कार्यवाही पर
 C.P.C. के प्रवधान लागू नहीं
 करते हैं। अलग: श्री. पत्रा धारा 10
 श्री. दी. रक्षापत्र सिद्ध जा रहा है।
 पत्रावली वाले उच्चकोश कार्यवाही
 कर्षण श्री. पत्रा धारा 136 (अंश)
 21/06/23 को पेशा है।

3


श्री. पत्रा धारा 10
के अन्तर्गत

21/6/23

पत्रावली पेशा डक | अधिवक्तागण
 उच्चपुज्य उच्चकोश। उच्चकोश
 पत्रा धारा 136 पर सुनी गई।
 श्री. पत्रा स्वीकार सिद्ध जाकर
 ग्रां गौरी गृह सांगरी
 जिला जयपुर सिद्ध वाद गति
 श्री. पत्रा धारा 136 पर ख.

21/06/23

920 से बने सार्वकिक नं. 1700/3
 व 1201 में कर्षाधीन सार्वकिक
 के स्थान पर कर्षाधीन का नाम
 राजस्व विभाग के अन्तर्गत
 किया जाने के आदेश प्राप्त हुए
 तथा यह भी स्पष्ट किया जाता है
 कि माननीय न्यायालय अफम जिला
 एवं सत्र न्यायाधीश कम. 10
 जयपुर महानगर के समस्त
 विचारधीन वादों के निर्णय/का
 निर्णय का प्रभाव दस्तावेज प्रकरण
 पर लागू होगा तथा दस्तावेज
 प्रमाण धारा 136 के निर्णय
 स्वयं द्वारा राजस्व विभाग के
 संशोधन माननीय न्यायालय
 अफम जिला एवं सत्र न्यायाधीश
 कम-10 जयपुर महानगर के
 निर्णय के अन्तर्गत रहेगा/ निर्णय
 सुकमा जमा/ विहित निर्णय प्रथम के
 संलग्न है।
 प्रभावली केंद्रल सुकमा धर्म
 अर्ज नम्बर के काम है। वाद
 नवमील करिवल 1 फरवरी है।


 जयपुर जिला न्यायाधीश
 जयपुर (दिलीप)